No. of Printed Pages : 4

BSKC-132

B. A. (GENERAL) (BAG)

Term-End Examination

December, 2021

बी. एस. के. सी.-132 : संस्कत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) दिए गए निर्देशों के अनसार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 20×2=40

(क) उत्पत्तिनिम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम्, आपानभूमिर्विषय-मधूनाम्, सङ्गीतशाला भ्रूविकारनाट्यानाम्, आवासदरी दोषाशी विषाणाम्, उत्सारणवेत्रलता सत्पुरुषव्यवहाराणाम्, अकालप्रावृङ् गणकलहंसकानाम. विसर्पणभमिर्लोकापवाद

विस्फोटकानाम्, प्रस्तावना कपटनाटकस्य, कदलिका कामकरिणः, वध्यशाला साधभावस्य. राहजिह्वा धर्मेन्दमण्डलस्य।

अथवा

मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः. न पजयन्ति द्विजातीन. न मानयन्ति मान्यान. नार्चयन्त्यर्चनीयान. नाभिवादयन्ति अभिवादनार्हान. नाभ्यत्तिष्ठन्ति गरून। अनर्थकायासान्तरित-विषयोपभोगं सखमित्यपहसन्ति विद्वज्जनम. जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वद्धजनोपदेशम. आत्मप्रज्ञापरिभव इत्यसयन्ति सचिवोपदेशाय. कप्यन्ति हितवादिने।

(ख) "अहो ! चिररात्राय सप्तोऽहम. स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान पण्यमयः समयोऽतिवाहितः. सन्ध्योपासनसमयोऽयमस्मद-गरुचरणानाम. तत सपदि अर्वाचनोमि कसमानि" इति चिन्तयन कदलीदलमेकमाकञ्चय. तणशकलैः सन्धाय. पटकं विधाय. पष्पावचयं कर्त्तमारेभे।

अथवा

तमारभ्याद्यावधि राक्षसा एव राज्यमकार्षुः। दानवा एव च दीनानदीदलन्। अभूत् केवलम् अकबरशाह-नामा यद्यपि गूढ़शत्रुर्भारतवर्षस्य. तथापि शान्तिप्रियो विद्वत्प्रियश्च। अस्यैव प्रपौत्रो मूर्तिमदिव कलियुगं. गृहीतविग्रह इव चाधर्मः. आलमगीरोपाधिधारी अवरङ्गजीवः सम्प्रति दिल्लीवल्लभतां कलङ्कयति।

खण्ड–ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **1000** शब्दों में लिखिए। 15×2=30

2. पण्डित अम्बिकादत्त व्यास के जीवनवत्त. कर्तत्व और शैलीगत वैशिष्टय पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नीति और लोककथाओं के उदभव और विकास पर प्रकाश डालिए।

3. 'शिवराजविजय' का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'शकनासोपदेश' का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड–ग

(लघ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए। 6×5=30

4. हर्षचरित के प्रतिपाद्य विषय पर टिप्पणी लिखिए।

5. डॉ. रामशरण त्रिपाठी के व्यक्तित्व एवं कर्तत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. सिंहासनद्वात्रिंशिका में किन विषयों का प्रतिपादन किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

7. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर शकनास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. गौरसिंह की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. ब्रह्मचारी गरु के आश्रम का वर्णन कीजिए।

10. बाणभट्ट के अनुसार लक्ष्मी में कौन-कौन-से दोष होते हैं ? वर्णन कीजिए।